कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (80) खण्ड - {159}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तुम्हारा पहला-पहला शब्क (पाठ) है ?

A- सबको बाप का परिचय देना

B- मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं,

C- भाई भाई की दृष्टि रखना

D- तुम्हें भगवान बाप पढ़ाते हैं,

प्रश्न 2- देह-अभिमानी होंगे तो कौन याद आयेंगे ?

A- हद की दुनिया

B- परमात्मा बाप

C- लौकिक सम्बन्धी

D- शरीर

प्रश्न 3- कौन सी स्मृति नशा चढ़ाती है ?

A- मैं ही थी,मैं ही हूँ, मैं ही बनूंगी

B- एक बाप दूसरा न कोई-

C- अन्तर्मुखी सदा सुखी

D- ज्ञान की हर प्वाइंट

प्रश्न 4- तुमसे जो विकर्म हुए हैं, उनकी सज़ा.... के रूप में भोगनी ही पड़ती है।

A- कर्मभोग

B- बीमारी

C- गर्भजेल के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- जितना याद करेंगे उतना..... होगा।

A- उद्धार होगा

B- फायदा

C- कल्याण

D- स्नेह

प्रश्न 6- राजस्व अश्वमेध रूद्र ज्ञान यज्ञ, राजस्व अर्थात् -

A- स्वराज अधिकारी

B- राजाओं का राजा बनने का

C- स्वराज्य के लिए

D- राजयोग

प्रश्न 7- 21 जन्मों के लिए अपनी तकदीर बनानी है ?

A- श्रीमत पर चल कर

B- बेहद की दृष्टि रख

C- सच्ची कमाई

D- अपना सब कुछ सफल

प्रश्न 8- माया रूपी जिन्न से बचने के लिए-

A- बुद्धि को रूहानी धन्धे में बिजी रखना है

B- इस दुनिया की कोई भी चीज़ में मोह नहीं रखना है

C- आत्मिक स्थिति में रहो

D- 84 की सीढ़ी चढ़ो और उतरो

प्रश्न 9- अकाल मूर्त आत्मा का यह ..... तख्त है।

A- सिंहासन

B- भृकुटी

C- अकाल तख्त

D- दिलतख्त

प्रश्न 10- अभी तुम जानते हो - हम सब एक बाप के बच्चे ..... हैं।

A- भाई-भाई

B- आत्मा

C- भाई बहन

D- A और C

प्रश्न 11- बाप किस का रचयिता है ?

A- आत्माओं का

B- स्वर्ग का

C- सृष्टि का

D- ड्रामा का

प्रश्न 12- देह-अभिमान में आने से -

A- याद ठहर न सके

B- विकार आते हैं, जिससे पाप होता है।

C- बुद्धि में ज्ञान की धारणा हो न सके

D- कोई भी चीज़ में मोह आता

प्रश्न 13- तुम्हारा सच्चा घर है ?

A- मधुबन

B- सुखधाम

C- शान्तिधाम

D- B और C

प्रश्न 14- सतयुग में देवी-देवतायें विष्णु सम्प्रदाय हैं। वहाँ किस की प्रतिमा रहती है ?

A- श्री लक्ष्मीनारायण की

B- किस की भी नहीं

C- ब्रह्मा और विष्णु की

D- चतुर्भुज की

प्रश्न 15- ब्रह्मा - विष्णु- शंकर में मुख्य किस को कहेंगे ?

A- शंकर

B- ब्रह्मा

C- ब्रह्मा-विष्णु

D- तीनों को

प्रश्न 16- बाप का प्यार लेना हो तो -

A- सत्य बाप के साथ सदा सच्चे रहो

B- फरिश्ता बनो

C- पवित्र बनो

D- आत्म-अभिमानी होकर बैठो

भाग (80) खण्ड {159} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.मैं आत्मा हूं,शरीर नहीं*

मीठे बच्चे - *तुम्हारा पहला-पहला शब्क (पाठ) है - मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं,* आत्म-अभिमानी होकर रहो तो बाप की याद रहेगी। बाप कहते हैं सवेरे-सवेरे उठकर घूमो फिरो, सिर्फ पहला-पहला पाठ याद करो तो खुशी का खजाना जमा होता जायेगा।

उत्तर 2- *C.लौकिक सम्बन्धी*

बाबा पूछते हैं - आत्म-अभिमानी हो रहते हो? आत्म-अभिमानी होंगे तो बाप की याद आयेगी, *अगर देह-अभिमानी होंगे तो लौकिक सम्बन्धी याद आयेंगे।* पहले-पहले यह शब्द याद रखना पड़े, हम आत्मा हैं। मुझ

आत्मा में ही 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। यह पक्का करना है।

उत्तर 3- *B.एक बाप दूसरा न कोई*

उस नशे में तो बहुत नुकसान होता है, अधिक पीने से खत्म हो जाते हैं लेकिन यह नशा अविनाशी बना देता है। जो सदा ईश्वरीय नशे में मस्त रहते हैं वह सर्व प्राप्ति सम्पन्न बन जाते हैं। *एक बाप दूसरा न कोई - यह स्मृति ही नशा चढ़ाती है।* इसी स्मृति से समर्थी आ जाती है।

उत्तर 4- *A.कर्मभोग*

बाप की याद ही घड़ी-घड़ी भूल जाती है, इसमें है मेहनत बाकी *तुमसे जो विकर्म हुए हैं, उनकी सज़ा कर्मभोग के रूप में भोगनी ही पड़ती है,* कर्मभोग अन्त तक भोगना ही है, उसमें माफी नहीं मिल सकती है। ऐसे नहीं, बाबा क्षमा करो। कुछ भी नहीं। ड्रामा अनुसार सब होता है। क्षमा आदि होती ही नहीं।

उत्तर 5- *B.फायदा*

मुख्य बात फिर भी बाप कहते हैं मनमनाभव। पावन बनने के लिए बाप को याद करते हैं, यह भूलना नहीं चाहिए। *जितना याद करेंगे उतना फायदा होगा,* चार्ट रखना चाहिए। नहीं तो फिर पिछाड़ी में फेल हो जायेंगे।

उत्तर 6- *C.स्वराज्य पाने के लिए*

यह तो बच्चों की बुद्धि में याद रहना चाहिए - भगवान हमको पढ़ाते हैं। उनका यह यज्ञ रचा हुआ है, इसका नाम भी बाला है। *राजस्व अश्वमेध रूद्र ज्ञान यज्ञ, राजस्व अर्थात् स्वराज्य के लिए।* अश्वमेध, यह जो कुछ भी देखने में आता है, उन सबको स्वाहा कर रहे हैं, शरीर भी स्वाहा हो जाता है।

उत्तर 7- *C.सच्ची कमाई*

सच्ची कमाई कर 21 जन्मों के लिए अपनी तकदीर बनानी है। शरीर पर कोई भरोसा नहीं है इसलिए ज़रा भी चांस नहीं गँवाना है। नष्टोमोहा बनकर अपना सब कुछ रूद्र यज्ञ में स्वाहा करना है। अपने को अर्पण कर ट्रस्टी हो सम्भालना है। साकार बाप को फालो करना है।

उत्तर 8- *A.बुद्धि को रुहानी धन्धे में बीजी रखना है*

अभी तुम समझते हो हम यह देवता बनते हैं तो अन्दर में कितनी खुशी होनी चाहिए। *माया रूपी जिन्न से बचने के लिए बाप कहते हैं तुम बच्चे इस रूहानी धन्धे में लग जाओ।* मनमनाभव। बस इसमें ही जिन्न बन जाओ। जिन्न का मिसाल देते हैं ना। कहा काम दो.. तो बाबा भी काम देते हैं। नहीं तो माया खा जायेगी।

उत्तर 9- *B.भृकुटी*

ऐसे नहीं कि अकाल मूर्त सिर्फ बाप है। तुम भी अकाल मूर्त हो। *अकाल मूर्त आत्मा का यह भृकुटी तख्त है।* जरूर भृकुटी में ही बैठेंगे। पेट में थोड़ेही बैठेंगे। अभी तुम जानते हो हम अकाल मूर्त आत्मा का तख्त कहाँ है। इस भ्रकुटी के बीच में हमारा तख्त है।

उत्तर 10- *A.भाई-भाई*

अभी तो देखो लड़ाई-झगड़ा आदि कितना है, इनको क्या कहेंगे? हम आपस में भाई-भाई हैं, वो भूल गये हैं। भाई-भाई कभी खून करते हैं क्या? हाँ, खून करते भी हैं तो सिर्फ मिलकियत के लिए। *अभी तुम जानते हो - हम सब एक बाप के बच्चे भाई-भाई हैं।*

उत्तर 11- *B.स्वर्ग का*

यह भी तुम बच्चे जानते हो - *बाप ही स्वर्ग का रचयिता है।* सृष्टि को रचने वाला नहीं कहेंगे। सृष्टि तो अनादि है ही। स्वर्ग को रचने वाला कहेंगे, वहाँ और कोई

खण्ड नहीं था। यहाँ तो बहुत खण्ड हैं। कोई समय था जबकि एक ही धर्म था, एक ही खण्ड था। पीछे फिर वैराइटी धर्म आये हैं।

उत्तर 12- *B.विकार आते हैं, जिससे पाप होता है*

अभी तुम बच्चे पापों से मुक्त होने का पुरुषार्थ करते हो, ध्यान रहे और कोई पाप न हो जाएं। *देह-अभिमान में आने से ही फिर और विकार आते हैं, जिससे पाप होता है* इसलिए भूतों को भगाना पड़ता है। इस दुनिया की कोई भी चीज़ में मोह न हो। इस पुरानी दुनिया से वैराग्य हो।

उत्तर 13- *C.शान्तिधाम*

तुम्हारा सच्चा घर है शान्तिधाम। उनको ही मनुष्य बहुत याद करते हैं, मन को शान्ति मिले। परन्तु मन क्या है, शान्ति क्या है, हमको मिलेगी कहाँ से, कुछ भी

समझते नहीं हैं। तुम जानते हो अभी अपने घर जाने के लिए बाकी थोड़ा समय है।

उत्तर 14- *D.चतुर्भुज की*

तुम जानते हो अभी हम ब्राह्मण सम्प्रदाय के हैं। फिर दैवी सम्प्रदाय, विष्णु सम्प्रदाय बनते हैं। सतयुग में देवी-देवतायें विष्णु सम्प्रदाय हैं। *वहाँ चतुर्भुज की प्रतिमा रहती है,* जिससे मालूम पड़ता है यह विष्णु सम्प्रदाय हैं। यहाँ प्रतिमा है रावण की, तो रावण सम्प्रदाय हैं।

उत्तर 15- *C.ब्रह्मा-विष्णु*

मुख्य है ब्रह्मा और विष्णु। अभी बाप समझाते हैं तुमको टॉपिक देनी है - ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा कैसे बनते हैं। जैसे तुम कहते हो हम शूद्र सो ब्राह्मण, ब्राह्मण सो देवता, वैसे इनका भी है, पहले-पहले ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा। वह तो कह देते आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा।

उत्तर 16- *D.आत्म-अभिमानी होकर बैठो*

बाप का प्यार लेना हो तो आत्म-अभिमानी होकर बैठो बाप से हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं, इस खुशी में रहो, बाबा हमको राजयोग सिखलाते हैं। बाबा से हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं। यह याद सारा दिन बुद्धि में रहे - इसमें ही मेहनत है। यह घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं तो खुशी का पारा डल हो जाता है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (80) खण्ड - {160}

प्रश्न 1- संकल्प में भी किसी देह धारी तरफ आकर्षित होने का मतलब है -

A- देह अभिमानी होना

B- बेवफा बनना

C- बाप से बेमुख होना

D- क्रिमिनल आई होना

प्रश्न 2- घर में अगर बच्चों की खिट-खिट है, तो अशान्ति रहती है। अशान्ति से -

A- खुशी खत्म हो जाती है

B- मनुष्य परेशान होते हैं

C- तंग होते हैं

D- दु:ख भासता है

प्रश्न 3- साइंस बुद्धि विनाश के लिए निमित्त बने हुए हैं। तुम किस के लिए निमित्त बने हो ?

A- सबको सुख शांति का वर्सा दिलाने के लिए

B- स्वर्ग के

C- अविनार्शी पद पाने के लिए

D- शान्ति प्रदान करने के लिए

प्रश्न 4- आत्मा में जो आधाकल्प से अशान्ति है, वह कैसे निकलनी है ?

A- दिव्य गुण थारण करने से

B- शान्ति के सागर बाप को याद करने से

C- योगबल से

D- आत्मिक स्थिति का अभ्यास करने से

प्रश्न 5- बाप कहते हैं - जो मेरे पास है वह तुमको सब देता हूँ। बाकी सिर्फ क्या नहीं देता हूँ ?

A- दिव्य दृष्टि की चाबी

B- खजानों की चाबी

C- साक्षात्कार की चाबी

D- A और C

प्रश्न 6- लाइट का ताज कैसे मिलता है ?

A- संपूर्ण पावन बनने से

B- याद से

C- 84 के चक्र को जानने से

D- ज्ञान से

प्रश्न 7- प्रदर्शनी में पहले- पहले कौन सा चित्र दिखाना चाहिए। यह ए वन चित्र है ?

A- सीढ़ी

B- लक्ष्मी-नारायण

C- आत्मा का

D- परमात्मा

प्रश्न 8- संतुष्टता का फल क्या है ?

A- सफलता

B- शांति

C- प्रसन्नता

D- सुख

प्रश्न 9- हीरे जैसा बनने के लिए -

A- श्रीमत का पालन करना है

B- सब-कुछ समर्पण कर देना

C- पढ़ाई पर अटेन्शन दो

D- बाप को याद करना है

प्रश्न 10- ग्रहचारी होती है तो कितने रत्नों की अंगूठी पहनते हैं ?

A- 7

B- 8

C- 9

D- B और C

प्रश्न 11- त्रेता के अन्त तक ..... की बड़ी माला बननी है।

A- रूद्र

B- विष्णु

C- 16108

D- विजयी रत्नों की

प्रश्न 12- देवी देवता धर्म वाली आत्मायें होंगी ?

A- मुक्ति

B- जीवन मुक्ति

C- जीवन बंध

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- याद की मेहनत करने वाले बच्चे कैसे रहेंगे ?

A- फूल जैसे

B- बहुत खुशी में

C- सदा कम्बाइंड

D- डबल लाइट

प्रश्न 14- तुम संस्कार नहीं ले जाते हो। तुम पढ़ाई की ..... ले जाते हो।

A- प्रारब्ध

B- पद

C- रिजल्ट

D- अथॉरिटी

प्रश्न 15- ..... बन अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान कर महादानी बनना है ?

A- दाता

B- रूप बसंत

C- सच्चा सेवाधारी

D- सपूत बच्चा

प्रश्न 16- सूक्ष्म वतन की रमत - गमत है ?

A- समझाने के लिए है

B- भक्ति मार्ग के लिए है

C- बुद्धि को नहीं भटकाओ

D- टाइम पास करने के लिए है

भाग (80) खण्ड {160} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.बेवफा बनना*

स्लोगन:- *संकल्प में भी किसी देहधारी तरफ आकर्षित होना अर्थात् बेवफा बनना।*

उत्तर 2- *D.दु:ख भासता है*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं, अक्सर करके मनुष्य शान्ति को पसन्द करते हैं। *घर में अगर बच्चों की खिट-खिट है, तो अशान्ति रहती है। अशान्ति से दु:ख भासता है।* शान्ति से सुख भासता है। यहाँ तुम बच्चे बैठे हो, तुमको सच्ची शान्ति है। तुमको कहा गया है बाप को याद करो। अपने को आत्मा समझो।

उत्तर 3- *C.अविनाशी पद पाने के लिए*

अभी तो ऐसे बाम्ब्स बनाते रहते हैं जो कहते हैं वहाँ बैठे-बैठे छोड़ेंगे तो सारा शहर खत्म हो जायेगा। फिर यह सेनायें, एरोप्लेन आदि भी काम में नहीं आयेंगे। तो वह है साइंस बुद्धि। तुम्हारी है साइलेन्स बुद्धि। वह विनाश के

लिए निमित्त बने हुए हैं। *तुम अविनाशी पद पाने के लिए निमित्त बने हो।* यह भी समझने की बुद्धि चाहिए ना।

उत्तर 4- *B.शान्ति के सागर बाप को याद करने से*

यहाँ तुम बच्चे बैठे हो, तुमको सच्ची शान्ति है। तुमको कहा गया है बाप को याद करो। अपने को आत्मा समझो। *आत्मा में जो आधाकल्प से अशान्ति है, वह निकलनी है शान्ति के सागर बाप को याद करने से।* तुमको शान्ति का वर्सा मिल रहा है।

उत्तर 5- *A.दिव्य दृष्टि की चाबी*

इतना भारी ज्ञान तुम लेते हो विश्व का मालिक बनने के लिए। मुझे तुम कहते ही हो-पतित-पावन, ज्ञान का सागर, शान्ति का सागर। *जो मेरे पास है वह तुमको सब देता हूँ। बाकी सिर्फ दिव्य दृष्टि की चाबी नहीं देता हूँ।* उसके बदले फिर तुमको विश्व का मालिक बनाता हूँ।

उत्तर 6- *B.याद से*

बाप कहते हैं मैं तुमको अपने से भी ऊंच डबल सिरताज बनाता हूँ। *लाइट का ताज मिलता है याद से,* और 84 के चक्र को जानने से तुम चक्रवर्ती बनते हो, अभी तुम बच्चों को कर्म-अकर्म-विकर्म की गति भी समझाई है। सतयुग में कर्म-अकर्म होता है। रावण राज्य में ही कर्म विकर्म होता है।

उत्तर 7- *B.लक्ष्मी-नारायण*

प्रदर्शनी में भी बच्चों को समझाना है। *प्रदर्शनी में पहले-पहले यह लक्ष्मी-नारायण का चित्र दिखाना चाहिए। यह ए वन चित्र है।* भारत में आज से 5 हज़ार वर्ष पहले बरोबर इनका राज्य था। अथाह धन था। पवित्रता-सुख-शान्ति सब थी। परन्तु भक्ति मार्ग में सतयुग को लाखों वर्ष दे दिये हैं तो कोई भी बात याद कैसे आये, यह लक्ष्मी-नारायण का फर्स्टक्लास चित्र है।

उत्तर 8- *C.प्रसन्नता*

स्लोगन:- *सन्तुष्टता का फल प्रसन्नता है,* प्रसन्नचित बनने से प्रश्न समाप्त हो जाते हैं।

उत्तर 9- *D.बाप को याद करना है*

आपस में मिलकर राय कर निकलते हैं सर्विस पर, मनुष्यों का जीवन हीरे जैसा बनाने। यह कितना पुण्य का कार्य है। इसमें खर्चे आदि की भी कोई बात नहीं। *सिर्फ हीरे जैसा बनने के लिए बाप को याद करना है।* पुखराज परी, सब्ज परी भी जो नाम हैं, वह तुम हो। जितना याद में रहेंगे उतना हीरे जैसा बन जायेंगे।

उत्तर 10- *C. 9*

कोई माणिक जैसा, कोई पुखराज जैसा बनेंगे। 9 रत्न होते हैं ना। *कोई ग्रहचारी होती है तो 9 रत्न की अंगूठी पहनते हैं।* भक्ति मार्ग में बहुत टोटका देते हैं।

यहाँ तो सब धर्म वालों के लिए एक ही टोटका है - मनमना-भव क्योंकि गॉड इज वन।

उत्तर 11- *C. 16108*

पिछाड़ी में सब पता पड़ेगा कि हम क्या बनेंगे फिर कुछ नहीं कर सकेंगे। कल्प-कल्पान्तर की यह हालत हो जायेगी। डबल सिरताज, डबल राज्य-भाग्य पा नहीं सकेंगे। अभी पुरुषार्थ करने की मार्जिन बहुत है, *त्रेता के अन्त तक 16108 की बड़ी माला बननी है।*

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

तुम बच्चे जानते हो बाबा आते हैं मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा देने के लिए। वह भी कोई एक बार थोड़ेही, अनेक बार। *बेअन्त बार तुम मुक्ति से जीवनमुक्ति फिर जीवन बंध में आये हो।* तुम्हें अभी यह समझ पड़ी कि हम आत्मा हैं, बाबा हम बच्चों को शिक्षा बहुत देते हैं।

उत्तर 13- *B.बहुत खुशी में*

याद की मेहनत करने वाले बच्चे बहुत खुशी में रहेंगे। बुद्धि में रहेगा कि अभी हम वापिस लौट रहे हैं। फिर हमें खुशबूदार फूलों के बगीचे में जाना है। तुम याद की यात्रा से खुशबूदार बनते हो और दूसरों को भी बनाते हो।

उत्तर 14- *C.रिजल्ट*

वहाँ कोई पण्डित आदि के पास जायेंगे तो समझते हैं यह पण्डित बहुत पढ़ा हुआ अथॉरिटी है। इसने सब वेद शास्त्र कण्ठ किये हैं फिर संस्कार ले जाते हैं तो छोटेपन से फिर वह अध्ययन कर लेते हैं। *तुम संस्कार नहीं ले जाते हो। तुम पढ़ाई की रिजल्ट ले जाते हो।* तुम्हारी पढ़ाई पूरी हुई फिर रिजल्ट निकलेगी और वह पद पा लेंगे।

उत्तर 15- *B.रूप बसंत*

भारत महादानी गाया हुआ है क्योंकि अभी तुम बच्चे महादानी बनते हो। अविनाशी ज्ञान रत्नों का तुम दान करते हो। बाबा ने समझाया है आत्मा ही रूप बसन्त है। बाबा भी रूप बसन्त है। *रूप-बसन्त बन अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान कर महादानी बनना है।* जो पढ़ाई पढ़ते हो वह दूसरों को भी पढ़ानी है।

उत्तर 16- *D.टाइम पास करने के लिए है*

यह सूक्ष्मवतन की जो रमत-गमत है, यह भी टाइम पास करने के लिए है। जब तक कर्मातीत अवस्था हो टाइम पास करने के लिए यह खेलपाल हैं। कर्मातीत अवस्था आ जायेगी, बस। तुमको यही याद रहेगा कि हम आत्मा ने अब 84 जन्म पूरे किये, अब हम जाते हैं घर। फिर आकर सतोप्रधान दुनिया में सतोप्रधान पार्ट बजायेंगे।